

प्रेषक,

राधा रतूड़ी,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास,

देहरादून, उत्तराखण्ड।

महिला सश0 बाल वि0 एवं सै0 कल्याण अनुभाग

देहरादून:दिनांक 6 नवम्बर, 2007

विषय: निदेशालय, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, उत्तराखण्ड एवं जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालयों हेतु टोल फ्री दूरभाष की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, आपके पत्रांक संख्या:-2007/सै0क0-2/टेली.टो.फ्री./73 दिनांक 30 जुलाई, 2007 एवं पत्रांक संख्या:-2007/सै0क0-2/टेली.टो.फ्री./ दिनांक 18 अक्टूबर की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के द्वारा विभिन्न प्रकरणों के निस्तारण एवं जानकारी हेतु निदेशालय, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, देहरादून तथा जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालयों में टोल फ्री दूरभाष लगाये जाने की प्रशासनिक स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान की जाती है:-

1. उक्त दूरभाष का प्रयोग सरकारी काम-काज हेतु मितव्ययता के साथ किया जायेगा।
2. उक्त सुविधा का दुरुपयोग रोकने के लिये निदेशालय स्तर से आवश्यक दिशा-निर्देश एवं नियमावली जनपद कार्यालयों को उपलब्ध करायी जायेगी।
3. यह आदेश वित्त विभाग की सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(राधा रतूड़ी)

सचिव।

पृष्ठांकन संख्या:- 389/XVII(2)/2006-390(कल्याण)/2001 तददिनांक।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
7. समस्त जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,

(अरुण कुमार ढौंडियाल)

अपर सचिव।

## टोल फ्री टेलीफोन की नियमावली

1. पूर्व सैनिकों एवं विधवाओं को अपनी समस्या के बारे में निदेशालय सैनिक कल्याण एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को बताने हेतु सरकार द्वारा निदेशालय सैनिक कल्याण एवं सभी जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों में टोल फ्री नम्बर लगाने की व्यवस्था की गई है। टोल फ्री नम्बर के माफ़त पूर्व सैनिक एवं विधवायें अपनी कोई भी समस्याओं का निस्तारण तुरन्त निदेशालय सैनिक कल्याण एवं अपने जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के द्वारा करा सकते हैं और साथ ही यदि उन्हें किसी विशेष जानकारी प्राप्त करनी है तो वे भी प्राप्त कर सकते हैं। टोल फ्री नम्बर पर बात करने पर पूर्व सैनिकों एवं विधवाओं को कोई शुल्क नहीं देना पड़ेगा क्योंकि इसका शुल्क निदेशालय सैनिक कल्याण एवं जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में स्थापित टेलीफोन नम्बर पर चार्ज किया जायेगा। सभी जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा नीचे दिये गये प्रस्तर के अनुसार सावधानियां बरती जायेंगी।
2. कॉल करना— टोल फ्री नम्बर पर कॉल को जिला सैनिक कल्याण अधिकारी प्राप्त करेगा यदि वह अवकाश, भ्रमण या अन्य सरकारी कार्य की वजह से कार्यालय में उपलब्ध नहीं है तो उनकी गैरमौजूदगी में सहायक अधिकारी को कॉल प्राप्त करना अधिकृत होगा। कार्यालय का कोई अन्य कर्मचारी कॉल प्राप्त नहीं करेगा।
3. आने वाले कॉल की सुविधा— टोल फ्री नम्बर पर सिर्फ आने वाली कॉल की सुविधा होगी। इस नम्बर से बाहर बात करने की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी।
4. वार्ता छोटी हो— टोल फ्री नम्बर का कोई दुरुपयोग न करे इसलिए आवश्यक है कि जरूरी सावधानियां बरती जाय जिससे सरकार पर टेलीफोन व्यय का ज्यादा बोझ न पड़े। टोल फ्री न0 पर वार्ता 3 मिनट से अधिक नहीं होगी और पूर्व

सैनिक अथवा विधवा की समस्याओं से संबंधित होगी। किसी अन्य समस्या पर कोई वार्ता नहीं की जाएगी।

5. आने वाली कॉल को नियंत्रित करना - जिला सैनिक कल्याण अधिकारी आने वाली कॉल को नियंत्रित करने के लिए "ऑटो कट" यन्त्र लगाना सुनिश्चित करेंगे।
6. कॉलर आईडेंटिफिकेशन टेलीफोन- जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के टेलीफोन में यदि कॉलर आईडेंटिफिकेशन संयन्त्र नहीं लगा है तो जिला सैनिक अधिकारी इस संयन्त्र को अपने स्तर पर खरीद कर स्थापित करेंगे जिससे कॉलर का नम्बर देखकर यह पता चल सके कि कॉल लोकल अथवा बाहर की है।
7. एस0टी0डी0 वार्ता (STD Calls)- क्योंकि टोल फ्री नम्बर पर आने वाले कॉलों का भुगतान निदेशालय सैनिक कल्याण एवं जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वासि कार्यालय द्वारा किया जायेगा इसलिए जरूरी है कि निदेशक/उपनिदेशक एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी टोल फ्री नम्बर पर कोई भी एस0टी0डी0 (STD) कॉल न लें।
8. काल पंजिका- टोल फ्री नम्बर पर आने वाली कॉल के लिए अलग से पंजिका खोली जाएगी जिसमें निम्न ब्यौरा होगा:-
  - (क) कॉल की तारीख, दिन और समय।
  - (ख) कॉल करने वाले का नाम और पता।
  - (ग) कॉल करने वाले की समस्या एवं कृत कार्यवाही सक्षिप्त में।
  - (घ) जिला सैनिक अधिकारी के हस्ताक्षर।

9. यह पंजिका साप्ताहिक आधार पर खोली जायेगी और माह के अन्त में कुल कॉल का संक्षिप्त विवरण(Summary) निदेशालय को प्रेषित किया जायेगा। यह पंजिका निदेशक सैनिक कल्याण के "बुक इन्स्पेक्शन" की सूची में शामिल की जायेगी।

10. व्यय— टोल फ्री नम्बर पर आने वाली कॉलों का व्यय का भुगतान टेलीफोन मद से किया जायेगा।

\*\*\*